Hindi

खंड - 'क'

(10)

1. (क) उत्तर : जो लोग अपनी सहायता स्वयं करता है, जिसे स्वयं पर भरोसा होता है, उन लोगों की सहायता के लिए ईश्वर सदैव तत्पर रहते हैं। ईश्वर सदैव उनकी सहायता के लिए इसलिए तत्पर रहते हैं क्योंकि जिसे स्वयं पर भरोसा होता है, उसी पर दूसरे लोग और ईश्वर भी भरोसा करते हैं।

(ख) उत्तर : मनुष्य को ईश्वर से जो दिव्य वरदान मिला है, वह है - 'आत्मविश्वास'। उससे उसे (मनुष्य को) शक्ति प्राप्त हुआ।

(ग) उत्तर : ईश्वर द्वारा मिले इस दिव्य वरदान के बल पर मनुष्य ने एवरेस्ट जैसे ऊँचे पहाड़ों पर जा चढ़ा। सागर की अतल गहराइयों से मोती ढूँढ़ लाया, सुदूर ग्रहों पर पहुँचने की चेष्टा करता रहा और ज्ञान के समुद्र में से ऐसे विलक्षण रत्न ढूँढ़ लाया, जिसने दुनिया को हतप्रभ कर दिया।

(घ) उत्तर : मनुष्य स्वयं पर भरोसा करके अपने आत्मविश्वास को उजागर करके सफलता प्राप्त कर सकता है। इसी प्रबल आत्मविश्वास के बल पर मनुष्य असंभव कार्यों को भी...

संगम करके सफलता प्राप्त कर सकता है।

1. (ङ) उत्तर : मनुष्यों द्वारा विलक्षण खोजें, असंभव कार्यों को संभव करना, जैसे :- ऊँचे पहाड़ों पर जा चढ़ना, ज्ञान के समुद्र में से ऐसे विलक्षण रत्न ढूँढ़ना जिसे ढूँढ़ना असंभव था। इसी सभी ने दुनिया को हतप्रभ कर दिया। 1

(च) उत्तर : प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है :- "आत्मविश्वास - एक दिव्य वरदान" 1

2. (क) उत्तर : हिमालय की छाया की यही विशेषता है कि जो भी इसके छाया में है वह कभी भी मस्तक नहीं झुकाता है। कवि ने उसे पर्वत राज / गिरिराज के रूप में देखा है। 2

(ख) उत्तर : अरुणोदय की प्रथम लाली गिरिराज हिमालय को चूमकर निखर जाती है और अरुणोदय की अंतिम लाली इस पर झूमकर बिखर जाती है। 2

(ग) उत्तर : कवि ने हिमालय के मन को कहा है कि इसका मन गंगा का बचपन है। 1

खण्ड - 'ख'

(2) 3. (क) उत्तर :- बंधन ।
(ख) उत्तर :- यथाकृत ।
(ग) उत्तर :- निर्दयी ,
ग्राम ।।

(2) 4. (क) उत्तर :- अश्रु ।
(ख) उत्तर :- उपसर्ग :- दुर्
(मूल शब्द :- भाग्य)

(2) 5. (क) उत्तर :- आग → अग्नि, पावक ।
(ख) उत्तर :- चेतन ।
(ग) उत्तर :- अकथनीय ।

(3) 6. (क) (i) उत्तर :- महोत्सव = महा + उत्सव ।
(ii) उत्तर :- चिन्मय = चित् + ~~उ~~मय ।
(ख) उत्तर :- देवेश ।

(3) 7. (क) (i) उत्तर :- दोपहर :- दो पहरों का समाहार / समास - द्विगु ।।
(ii) उत्तर :- भरपेट :- पेट भर / समास - अव्ययीभाव ।।

7. (ख) उत्तर :- समस्त पद → यथा- अपयश / समास - द्वंद्व ।।

8. (क) (i) उत्तर :- डॉक्टर ने रोगी को देखी और दवाई दी ।

(ii) उत्तर :- इस गाँव के लोग कसरत के शौकीन हैं ।

(ख) उत्तर :- ~~विस्मयादिबोधक वाक्य~~ / इच्छावाचक वाक्य ।

(ग) उत्तर :- यहाँ ईमानदार और उदार लोग रहते हैं ।

(घ) उत्तर :- आज मैंने प्रेमचंद की 'बड़े भाई साहब' कहानी पढ़ी ।

9. उत्तर :- अर्थ :- परेशान होना, घबरा जाना ।
वाक्य :- अचानक सामने शेर को देखकर राम के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ गयी ।

10. उत्तर :- यमक अलंकार :- जहाँ एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार प्रयुक्त हुआ हो, एक ही काव्य अथवा पंक्ति में और प्रत्येक बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो । वहाँ यमक अलंकार होता है ।

जैसे :- वह पाकर एक धोती, प्रतिदिन उसे धोती ।
धोती → पहनने वाला वस्त्र
धोती → धोना, साफ करना ।

खंड - 'ग'

(5) 11. (क) उत्तर :- श्री कृष्ण अपनी मैया यशोदा से शिकायत कर रहे हैं। वे इस लालच में दूध को पीने को तैयार हुए कि दूध पीने से चोटी बहुत जल्दी बढ़ती है।

(ख) उत्तर :- श्री कृष्ण अपनी चोटी के विषय में यह सोच रहे थे कि उनकी चोटी कब बढ़ेगी। कब उनकी चोटी नागिन सी होगी, कब उनकी चोटी नहाने योग्य होगी।

(ग) उत्तर :- दूध की तुलना में श्री कृष्ण को माखन और रोटी पसंद है।

(4) 12. (क) उत्तर :- बातचीत करते समय हमें अधिक महत्व उस व्यक्ति को देना चाहिए जिससे हम बातचीत कर रहे हैं।

(ख) उत्तर :- विचारों की अभिव्यक्ति के समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम जिससे बातचीत कर रहे हैं उसके पसंद के प्रति रुचि दिखाए और तब बातचीत करते रहें।

(ग) उत्तर :- बातचीत में बिना सोचे - समझे कुछ भी नहीं बोलना चाहिए। इसी सिद्धांत का पालन करना चाहिए।

12. (घ) उत्तर :- यदि बातचीत की कला में निपुण व्यक्तियों की वृद्धि हो जाए तो समाज तथा परिवारों में पनप रही कटुता, असहिष्णुता, वैमनस्यता जैसे सामाजिक रोगों का अंत हो जाए और राष्ट्रीय एकता में पड़ी दरारें पट जाएँ।

13. (क) उत्तर :- पक्षियों को पिंजरे में बंद कर देने से उनकी नैतिक मूल्यों का हनन होगा। उनके पंख पिंजरे के तीलियों से टकराकर टूट जाएँगे।

(ख) उत्तर :- दारा ने उत्तरी ईरान में फैले भ्रष्टाचार को खत्म किया। दारा ने भ्रष्टाचारी को सत्य, सच्चाई का पथ दिखाया और जड़ से भ्रष्टाचार को खत्म किया। वह खुद उस प्रांत के एक-एक गाँव में जाकर लोगों की परेशानियों को सुनता और हल करता।

(ग) उत्तर :- कल्पना चावला अंतरिक्ष में अपने कदम रखने की अर्थात अंतरिक्ष में जाने की सपना देखती थी। उसके जुझारु और परिश्रमी जैसे गुणों ने उसके सपनों को साकार किया।

(ङ) उत्तर :- लेखक को कुछ भी खेलना इसलिए नहीं आता क्योंकि उसके परिवार के सदस्य घर से बाहर उसे जाने ही नहीं देते थे, कहते थे कि कुछ हो जाएगा, यदि बाहर जाएगा तो।

(7) 14. (क) उत्तर :- प्रस्तुत पंक्ति का यह आशय है कि भोलाराम यह कहना चाहता है कि उसका पंप केवल पाँच हॉर्स पावर का ही है, उतना बड़ा नहीं है कि वह पंप धरती के अंदर की अथवा नदी की संपूर्ण पानी ही पी जाए। वह अगस्त्य मुनि का उदाहरण इसलिए देता है क्योंकि ऐसी कथा है कि अगस्त्य मुनि एक बार पूरा समुद्र का पानी ही पी गए थे।

(ख) उत्तर :- गाँधी जी की कुटी में 'हिंदुस्तानी प्रचार सभा' की बैठक होने वाली थी। गाँधी जी अपनी कुटी में न मेज रखते थे, न कुर्सी, इससे उनकी इस विशेषता का पता चलता है कि वे साधारण ढंग से ही अपनी कुटी / आश्रम में अपना जीवन व्यतीत करते थे। इससे उनकी यह विशेषता का भी पता चलता है कि यथासंभव वह कम खर्च करते थे।

~~(ग) उत्तर :-~~

(घ) उत्तर :- गौरी के विदा न होकर आने पर जीवनलाल बहुत दुःखी हुआ। वह पहले कारण जाना और फिर गौरी के सास-ससुर के संदर्भ में बहुत कुछ अपशब्द भी बोला। उसने यह भी बोला कि, "मैंने तो उसे मुँह मांगा दहेज दिया था, क्या उसे नहीं दिया था। फिर भी वे विदा नहीं किए और अब और अधिक भी दहेज मांग रहे हैं।

15. उत्तर :- 'दुख में हार न मानो' कविता हमें यही संदेश प्रदान करती है कि हमें किसी भी विकट-से-विकट परिस्थिति में भी हार नहीं मानना चाहिए। हमें सदा ईश्वर का ध्यान हृदय से करना चाहिए, गाना-बजाकर नहीं। हमें सदा परिश्रम करना चाहिए और असफल होने पर निराश नहीं होना चाहिए बल्कि आगे इससे और भी अधिक मेहनत करके सफलता प्राप्त करनी चाहिए। हमें परिश्रम ऐसे करना चाहिए कि सफलता हमारे पीछे चले, हमारी मुट्ठी में हो।

खंड - (घ)

16. उत्तर : (i) वन रहेंगे : हम रहेंगे

हाँ, यह बात बिल्कुल सही है कि वन रहेंगे तभी हम रहेंगे। वन अर्थात जंगल, पेड़-पौधे, जानवर, आदि। आज-कल वनों की कटाई बहुत तेज़ी से चल रही है। कहीं सड़क बनाने के लिए तो कहीं कारखाना बनाने के लिए। जो लोग वन को बर्बाद कर रहे हैं, (समझिए) कि वो अपना जीवन और

साथ ही साथ हमारा तथा पशु-पक्षी का भी जीवन बर्बाद कर रहे हैं। वन में ही सभी जंगली जानवर रहते हैं, विचित्र पक्षियां रहती हैं। यदि वन की कटाई होती है तो यह सब बेघर हो जाते हैं।

वन से हम मनुष्यों को भी बहुत सामानों की प्राप्ति होती है जैसे:- सूखी लकड़ी, मसाला, दवा, दवा का सामान, रबर आदि। वन से हमें जो सबसे महत्वपूर्ण चीज जो मिलता है वह है- ऑक्सीजन। ऑक्सीजन के बिना मनुष्य, पशु, पक्षी, आदि एक पल भी जीवित नहीं रह सकते हैं। पानी के बिना हम एक-दो दिनों तक जीवित रह भी सकते हैं परन्तु ऑक्सीजन के बगैर एक पल भी नहीं।

अतः हमें यह समझना चाहिए कि वन रहेंगे तभी हम रहेंगे और वन की रक्षा करनी चाहिए।

17. उत्तर:-

बिहार शरीफ,
पटना

मार्च 6, 2020.

(५) 17....

प्रिय मित्र सरोज
सप्रेम नमस्कार

मैं यहाँ कुशल पूर्वक रहकर अपनी पढ़ाई मन से कर रहा हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल पूर्वक होंगे और अपनी पढ़ाई मन से कर रहे होंगे। मैं इस पत्र के माध्यम से तुम्हें मुख्य रूप से माता - पिता के महत्त्व के सन्दर्भ में बताना चाहता हूँ। माता - पिता वो दो नाम है जिसको एक पुत्र / पुत्री के जीवन में। माता - पिता ही हैं प्रत्येक व्यक्ति को आदर से लेना चाहिए। वो माता - पिता ही हैं जो हमें इस संसार में लाए हैं। इस संसार में जीना सिखाते हैं। माता - पिता ही हमें बचपन में उंगली पकड़कर चलना सिखाते हैं। केवल इस संसार में दो ही ऐसे लोग हैं जो हमारे भले की सोचते हैं, और वह है - माता - पिता। बाकी सारी दुनिया तो हमसे जलती है, ईर्ष्या करती है। तुमने अपने जीवन में ऐसा देखा भी होगा। अतः जब हमारे - पिता हम पर इतने उपकार किए हैं तो हमारा भी जिम्मेदारी बनता है कि हम उनको सदा सम्मान और सेवा करें। अपने जीवन में उन्हें ही सर्वोच्च स्थान दें। कभी भी उनके आज्ञा

की अवहेलना ना करे। आशा करता हूँ की तुम मेरे बातों का सदा पालन करोगे। तुम अपने माता जी और पिता जी को मेरा चरण-स्पर्श बोल देना तथा अपने छोटे भाई को मेरा प्यार। विशेष बात मिलने पर होगी।

तुम्हारा मित्र
आलोक

18. उत्तर :-

डी॰ ए॰ वी॰ पब्लिक स्कूल, बिरहर

सूचना

6 मार्च, 2020.

नेत्र-चिकित्सा शिविर के संदर्भ में

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हमारे स्कूल में नेत्र-चिकित्सा शिविर का आयोजन होने जा रहा है। यह शिविर दिनांक 8 मार्च 2020 से 12 मार्च 2020 तक चलेगी।

Student's Name...

(५) 18....

इस शिविर में प्रत्येक बच्चों की आँखों की जाँच होगी क्योंकि आज-कल के छोटे-छोटे बच्चों की आँखें खराब हो रही है, टी.वी. देखने के कारण, अत्यधिक मोबाइल देखने के कारण, आदि।
अतः आप सभी जरूर इसमें हिस्सा लिजीएगा। इसके लिए आपको 50 रुपए विद्यालय में, 7 मार्च को जमा करवाना होगा। यह सूचना हमारे प्रधानाचार्य द्वारा दी गई है।
अत्यधिक जानकारी के लिए स्कूल कार्यालय से संपर्क करें।

आलोक प्रसाद,
(द्वारा- प्रधानाचार्य)